वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय ,सुरत

प्रथम वर्ष बी.ए.

हिंदी

सेमेस्टर-1

(2015-2016 और 2016-2017 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-1 अनिवार्य हिंदी (अंग्रेजी के स्थान पर) Core Course-01

प्रस्तावना- हिंदी हमारे देश की राजभाषा है। देश की अधिकतर जनता इसे समझती है। अहिन्दी प्रदेशों में इसका प्रचार-प्रसार हो यह आवश्यक है। हिंदी को मुख्य विषय के रूप में न लेकर पढ़ने वाले छात्र हिंदी से परिचित हो सकते हैं।

1. नहुष-मैथिलीशरण गुप्त (प्रकाशक, साहित्य सदन, झाँसी)
2. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 मैथिली शरण गुप्तः व्यक्तित्व और कृतित्व

'पंचवटी': कथावस्तु

'नहुष': काव्य स्वरूप

इकाई-2 'नहुष' के पात्र

'नहुष' का शीर्षक

'नहुष' की भाषा-शैली

'नहुष' में रस-योजना

'नहुष' का उद्देश्य।

इकाई-3 संक्षेपण का महत्व।

पल्लवन का महत्व।

इकाई-4 पत्राचार-पत्र के अंग तथा व्यक्तिगत पत्र।

अंक- विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प दो पाँच) (7×2=14 अंक)

पठित काव्य से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी व्याकरण-डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
2.प्रशासनिक एवम् कार्यालयी हिंदी-डॉ.रामप्रकाश एवम् डॉ.दिनेश कुमार गुप्त
3.अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी
4.आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना-डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
5.संक्षेपीकरण-गणेशप्रसाद गुप्त
6.अच्छी हिंदी-रामचंद्र वर्मा
7.प्रयोग और प्रयोग-वी.रा.जगन्नाथन
8.मैथिलीशरण गुप्त-आनंद प्रकाश दीक्षित
9.मैथिलीशरण गुप्तः व्यक्ति और अभिव्यक्ति-संपा.सी.एल.प्रभात
10.मैथिलीशरण गुप्तः काव्य संदर्भ कोश-डॉ.नगेन्द्र
11.मैथिलीशरण गुप्त -संपादक-नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली

*****

HINDI

B.A. DEGREE COURSE

1ST SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER- 1 अनिवार्य हिंदी Core Course-1	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~04~~ 3
7	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~02~~
8					Total Credits	~~06~~ 03

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of One course in each Semester. Three Hours for each course per week Total teaching hours per week=03				Each Day 4th Hour can be used for Library work/presentation ect.
Tuesday					
Wednes					
Thursday					
Friday					
Saturday	Self Study Course				

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय ,सुरत
प्रथम वर्ष बी.ए.
हिंदी
सेमेस्टर-2
(2015-16 और 2016-17 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-2 अनिवार्य हिंदी (मुख्य एवम् गौण) Core Course-02

प्रस्तावना- हिंदी हमारे देश की राजभाषा है। देश की अधिकतर जनता इसे समझती है। अहिन्दी प्रदेशों में इसका प्रचार-प्रसार हो यह आवश्यक है। हिंदी को मुख्य विषय के रूप में न लेकर पढ़ने वाले छात्र हिंदी से परिचित हो सकते हैं।

1. रश्मिरथी-रामधारी सिंह दिनकर
2. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 रामधारी सिंह दिनकरः व्यक्तित्व और कृतित्व

'रश्मिरथी' की कथावस्तु

'रश्मिरथी' का काव्य-स्वरूप

'रश्मिरथी' के पात्र- आदि।

इकाई-2 'रश्मिरथी' के गौण पात्र

'रश्मिरथी' का स्वर्ग-पर्व

'रश्मिरथी' में संवाद-योजना

'रश्मिरथी' का संदेश

'रश्मिरथी' शीर्षक

'रश्मिरथी' कला-पक्ष।

इकाई-3 अनुवाद-गुजराती से हिंदी में

इकाई-4 मुहावरे-लोकोक्तियाँ, शब्द-शुद्धि, वाक्य-शुद्धि, शब्द-ज्ञान-पर्याय, विलोम, अनेकार्थी, समश्रुत।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 से अनुवाद गुजराती से हिंदी में (7 अंक)

पठित काव्य से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (10 अंक)

ईकाई 4 से 7 संक्षिप्त प्रश्न (7×1=07 अंक)

ये निम्न प्रकार के पूछे जायेंगे-

वाक्य-शुद्धि-	(1अंक)
मुहावरों के अर्थ-	(1अंक)
शब्द-शुद्धि-	(1अंक)
पर्याय शब्द-	(1अंक)
विलोम शब्द-	(1अंक)

अनेकार्थी शब्द- (1अंक)
समश्रुत शब्द- (1अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. हिंदी साहित्य में रूपक-कथा-काव्यःउद्भव और विकास-डॉ.नूरजहाँ बेग़म
2.हिंदी के खंडकाव्यों में युग-बोध-डॉ.राज भारद्वाज
3. हिंदी रामकाव्यः नये संदर्भ-डॉ. प्रमिला अवस्थी
4. नव्य प्रबंध-काव्यों में आधुनिक-बोध-उर्वशी शर्मा
5. आधुनिकता से आगेःश्री नरेश मेहता-मीरा श्रीवास्तव
6.हिंदी व्याकरण-डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
7.अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी
8.आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना-डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
9.अच्छी हिंदी-रामचंद्र वर्मा
10.प्रयोग और प्रयोग-वी.रा.जगन्नाथ
11.हिंदी व्याकरणः प्रबोध एवम् रचना-डॉ.विजयपाल सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

*****

HINDI

B.A. DEGREE COURSE

2nd SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER- 2 अनिवार्य हिंदी Core Course-2	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~04~~ 03
7	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~02~~
8					Total Credits	~~06~~ 03

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of One course in each				Each Day 4th Hour can
Tuesday	Semester.				be used for

Wednes	Three Hours for each course per week	Library work/presentation ect.
Thursday	Total teaching hours per week=03	
Friday		
Saturday	Self Study Course	

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय ,सुरत

प्रथम वर्ष बी.ए.

हिंदी

सेमेस्टर-1

(2015-16 और 2016-17 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-1 हिंदी काव्य (मुख्य और गौण) Core Course-01

प्रस्तावना -आधुनिक हिंदी काव्य नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध में इसमें नवीन संवेदनाएँ ,भावनाएँ तथा नवीन विचार अभिव्यक्त हुए हैं। इसकी विविध धाराएँ हैं। इसलिए संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक तथा प्रासंगिक है।

पाठ्यपुस्तक- 1. यशोधरा-मैथिलीशरण गुप्त
(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 **मैथिलीशरण गुप्तः व्यक्तित्व और कृतित्व**
खण्डकाव्यः परिभाषा एवम् लक्षण
'यशोधरा': कथावस्तु

ईकाई-2 'यशोधरा' : काव्य-स्वरूप
'यशोधरा' के मुख्य पात्र-यशोधरा,सिद्धार्थ, शुद्धोदन
'यशोधरा' में नारी-भावना

ईकाई-3 'यशोधरा' के गौण पात्र-नंद,महाप्रजावती, छंदक, राहुल,गौतमी,पुरजन आदि।
'यशोधरा' में विरह-वर्णन
'यशोधरा' में प्रकृति-चित्रण

ईकाई-4 'यशोधरा' शीर्षक की सार्थकता
'यशोधरा' काव्य का उद्देश्य
'यशोधरा' का कला-पक्ष।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प में से दो) (7×2=14 अंक)
सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प में से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी के खंडकाव्यों में युग-बोध-डॉ.राज भारद्वाज
2.हिंदी साहित्य में रूपक-कथा-काव्यः उद्भव और विकास-डॉ.नूरजहाँ बेगम
3.हिंदी रामकाव्यः नये संदर्भ- डॉ. प्रमिला अवस्थी
4.नव्य प्रबंध-काव्यों में आधुनिक-बोध-उर्वशी शर्मा
5.नयी कविता की प्रबंध-चेतना-डॉ.महावीरसिंह चौहान

6.आधुनिक प्रबंध-काव्यःसंवेदना के धरातल-संपा.डॉ.विनोद गोदरे
7.हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन-संपा.डॉ.य़श गुलाटी
8.हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खण्डकाव्य-डॉ.कविता शर्मा (पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद)

****

अथवा

प्रश्नपत्र-1 हिंदी काव्य (मुख्य और गौण) Core Course-01

प्रस्तावना -आधुनिक हिंदी काव्य नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध में इसमें नवीन संवेदनाएँ ,भावनाएँ तथा नवीन विचार अभिव्यक्त हुए हैं। इसकी विविध धाराएँ हैं। इसलिए संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक तथा प्रासंगिक है।

पाठ्यपुस्तक- 1. प्रवाद-पर्व –नरेश मेहता
(लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 **नरेश मेहता** : व्यक्तित्व और कृतित्व
खण्डकाव्यः परिभाषा एवम् लक्षण
'प्रवाद-पर्व': कथावस्तु

ईकाई-2 **'प्रवाद-पर्व'** : काव्य-स्वरूप
'प्रवाद-पर्व' के मुख्य पात्र-राम और सीता
'प्रवाद-पर्व' में मानवतावादी दृष्टिकोण

ईकाई-3 **'प्रवाद-पर्व'** में संवाद-योजना
'प्रवाद-पर्व' में प्रकृति-चित्रण।
'प्रवाद-पर्व" के गौण पात्र-लक्ष्मण, भरत,राष्ट्रवर्धन आदि।

ईकाई-4 **'प्रवाद-पर्व'** शीर्षक की सार्थकता
'प्रवाद-पर्व' काव्य का उद्देश्य
'प्रवाद-पर्व' का कला-पक्ष।

अंक-विभाजन-
ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प में से दो) (7×2=14 अंक)
सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प में से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-
1.हिंदी के खंडकाव्यों में युग-बोध-डॉ.राज भारद्वाज
2.नव्य प्रबंध-काव्यों में आधुनिक-बोध-उर्वशी शर्मा
3.नयी कविता की प्रबंध-चेतना-डॉ.महावीरसिंह चौहान
4.आधुनिक प्रबंध -काव्यःसंवेदना के धरातल-संपा.डॉ.विनोद गोदरे
5.हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन-संपा.डॉ.य़श गुलाटी

****

प्रश्नपत्र-2 हिंदी उपन्यास (मुख्य और गौण) Core Course-02

प्रस्तावना -हिंदी गद्य विधाओं में उपन्यास सबसे अधिक विकसित व लोकप्रिय है। आज तो उसने शास्त्र का रूप धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तक- 1.निर्मला-प्रेमचंद
(प्रकाशक-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 प्रेमचंदः व्यक्तित्व और कृतित्व
उपन्यासः परिभाषा एवम् तत्त्व।
'निर्मला': कथावस्तु
'निर्मला': अनमेल-विवाह,दहेज की समस्या

ईकाई-2 'निर्मला': तात्विक विश्लेषण
'निर्मला': एक सामाजिक उपन्यास
'निर्मला' के प्रमुख पात्र

ईकाई-3 'निर्मला': संवाद-योजना
'निर्मला' में वातावरण-योजना
'निर्मला' के गौण पात्र

ईकाई-4 'निर्मला' का नामकरण
'निर्मला' की भाषा-शैली
'निर्मला': उद्देश्य ।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प में से दो) (7×2=14 अंक)
सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प में से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी के आँचलिक उपन्यास-संपा.डॉ.रामदरश मिश्र- डॉ.ज्ञानचंद गुप्त (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
2.हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
3.आंचलिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.नगीना जैन (अक्षर प्रकाशन, दिल्ली)
4.उपन्यास का स्वरूप-डॉ.शशिभूषण सिंहल (आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली-53)
5.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में कृषक-जीवन-डॉ.उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन, रोहतक)
6. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास का स्वरूप, डॉ.मृत्युंजय उपाध्याय

7.हिंदी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

*****

अथवा

प्रश्नपत्र-2 **हिंदी उपन्यास (मुख्य और गौण) Core Course-02**

प्रस्तावना -हिंदी गद्य विधाओं में उपन्यास सबसे अधिक विकसित व लोकप्रिय है। आज तो उसने शास्त्र का रूप धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तक- 1.दुखमोचन-नागार्जुन

(राजकमल प्रकाश प्रा.लि.नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 नागार्जुनः व्यक्तित्व और कृतित्व

उपन्यासः परिभाषा एवम् तत्त्व।

'दुखमोचन': कथावस्तुः विश्लेषण।

ईकाई-2 'दुखमोचन': समाजवादी उपन्यास।

'दुखमोचन'में चित्रित समस्याएँ।

'दुखमोचन' के पात्र-दुखमोचन, सुखदेव

ईकाई-3 'दुखमोचन' के गौण पात्र-नित्या बाबू और त्रिजुगी चौधरी आदि।

'दुखमोचन' में संवाद-योजना

ईकाई-4 'दुखमोचन' उपन्यास में वातावरण-योजना

'दुखमोचन' का उद्देश्य

'दुखमोचन' उपन्यास का शीर्षक।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प में से दो) (7×2=14 अंक)

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प में से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

2.हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

3.हिंदी उपन्यासों का शास्त्रीय विवेचन -डॉ.महावीरमल लोढा

****

HINDI

B.A. DEGREE COURSE

1ST SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -1 हिंदी काव्य Core Course-1	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
2	PAPER- 1 हिंदी काव्य Core Course-1	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
3	PAPER -2 हिंदी उपन्यास Elective Course-1	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 =45 Hrs	3 Hrs	03
4	PAPER -2 हिंदी उपन्यास Elective Course-1	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
5	PAPER- Multi Disciplinary	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03

	Course-1					
6	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~02~~

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of two course in each Semester. Three Hours for each course per week Total teaching hours per week=06				Each Day 4th Hour can be used for Library work/presentation ect.
Tuesday					
Wednes					
Thursday					
Friday					
Saturday	Self Study Course				

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय ,सुरत
प्रथम वर्ष बी.ए.
हिंदी
सेमेस्टर-2
(2015-16 और 2016-17 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-3 आधुनिक हिंदी कविता (मुख्य और गौण) Core Course-03

प्रस्तावना -आधुनिक हिंदी काव्य नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध में इसमें नवीन संवेदनाएँ ,भावनाएँ तथा नवीन विचार अभिव्यक्त हुए हैं। इसकी विविध धाराएँ हैं। इसलिए संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक तथा प्रासंगिक है।

पाठ्यपुस्तक-आधुनिक कविता सरिता संपा.अरविंद देसाई
(राजपाल एण्ड सन्ज़,कश्मीरी गेट, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 फूल और काँटे, आँसू (अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध)
कैदी और कोकिला (माखनलाल चतुर्वेदी)
मधुमय देश, बीती विभावरी (प्रसाद) कविताएँ।

इकाई-2 सुख-दुःख, मानव (सुमित्रानंदन पंत)
भिक्षुक, अभी न होगा मेरा अन्त (निराला)
जाग तुझको दूर जाना, मैं नीर भरी दुख की बदली (महादेवी वर्मा) कविताएँ।

इकाई-3 झाँसी की रानी (सुभद्राकुमारी चौहान)
अँधेरे का दीपक (बच्चन), मिट्टी की महिमा (शिवमंगल सिंह सुमन) कविताएँ।

इकाई-4 हमारा देश, साँप (अज्ञेय)
पोस्टर और आदमी (सर्वेश्वरदयाल सक्सेना) कविताएँ।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प में से दो) (7×2=14 अंक)
सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प में से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
2.प्रसाद का काव्य-डॉ.प्रेमशंकर
3.अज्ञेय का काव्य- एक पुनर्मूल्यांकन-शंभुनाथ चतुर्वेदी
4.अज्ञेयः एक अध्ययन-डॉ.भोलाभाई पटेल
5.निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
6.नयी कविता के प्रतिमान-लक्ष्मीकांत वर्मा
7.जयशंकर प्रसाद-आ.नंददुलारे वाजपेयी
8.सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
9.हरिवंशराय बच्चन की साहित्य-साधना-पुष्पा भारती (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
10.आज के लोकप्रिय कवि बच्चन-संपा.चंद्रगुप्त विद्यालंकार (राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली)
11.बच्चनः व्यक्तित्व और कृतित्व-जीवन प्रकाश जोशी)सन्मार्ग प्रकाशन ,दिल्ली(
12.नई कविता-डॉ.देवराज (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
13.नागार्जुन की कविता-अजय तिवारी
14. आज के लोकप्रिय हिंदी कवि दिनकर-संपा.मन्मथनाथ गुप्त (राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली)

*****

अथवा

प्रश्नपत्र-3 आधुनिक हिंदी कविता (मुख्य और गौण) Core Course-03

प्रस्तावना -आधुनिक हिंदी काव्य नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध में इसमें नवीन संवेदनाएँ ,भावनाएँ तथा नवीन विचार अभिव्यक्त हुए हैं। इसकी विविध धाराएँ हैं। इसलिए संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक तथा प्रासंगिक है।

पाठ्यपुस्तक- काव्यमंजूषा-संपा.डॉ.सत्यप्रकाश मिश्र
(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 लज्जा और नारी, गीत (प्रसाद)
प्रथम रश्मि, याचना (पंत)
तुम और मैं, वह तोड़ती पत्थर (निराला) कविताएँ

इकाई-2 मधुर मधुर मेरे दीपक जल, क्या पूजन क्या अर्चन रे (महादेवी वर्मा)
मधुशाला, भूख (बच्चन)
सवेरे उठा तो धूप खिली थी, कितनी नावों में कितनी बार (अज्ञेय) कविताएँ।

इकाई-3 जन जन का चेहरा एक (गजानन माधव मुक्तिबोध)
वरदान माँगूँगा नहीं (शिवमंगल सिंह सुमन)
बसन्ती हवा (केदारनाथ अग्रवाल) कविताएँ।

इकाई-4 कालिदास (नागार्जुन)
अकाल (रघुवीर सहाय) कविताएँ।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प में से दो) (7×2=14 अंक)
सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प में से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
2.प्रसाद का काव्य-डॉ.प्रेमशंकर
3.अज्ञेय का काव्य- एक पुनर्मूल्यांकन-शंभुनाथ चतुर्वेदी
4.अज्ञेयः एक अध्ययन-डॉ.भोलाभाई पटेल
5.निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
6.नयी कविता के प्रतिमान-लक्ष्मीकांत वर्मा
7.जयशंकर प्रसाद-आ.नंददुलारे वाजपेयी
8.सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
9.हरिवंशराय बच्चन की साहित्य-साधना-पुष्पा भारती
10.आज के लोकप्रिय कवि बच्चन-संपा.चंद्रगुप्त विद्यालंकार (राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली)
11.बच्चनः व्यक्तित्व और कृतित्व-जीवन प्रकाश जोशी)सन्मार्ग प्रकाशन ,दिल्ली(
12.नागार्जुन की कविता-अजय तिवारी
13.महीयसी महादेवी-गंगाप्रसाद पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
14.महादेवी-इन्द्रनाथ मदान (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
15.धर्मवीर भारती की साहित्य-साधना-संपा.पुष्पा भारती
16.धर्मवीर भारतीः युग-चेतना और अभिव्यक्ति-डॉ.सरिता शुक्ला)चिंतन प्रकाशन ,कानपुर(
17.धर्मवीर भारतीःअनुभव और अभिव्यक्ति-लक्ष्मणदत्त गौतम)भारत पुस्तक भंडार ,दिल्ली(
18.नई कविता के प्रतिमान-लक्ष्मीकांत वर्मा)लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद(
19.प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवाल-डॉ.रामविलास शर्मा
20.केदारनाथ अग्रवाल-संपा.अजय तिवारी
21.समकालीन हिंदी कविता-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

+++

प्रश्नपत्र-4 आधुनिक हिंदी कहानियाँ (मुख्य और गौण) **Core Course-04**

प्रस्तावना -आधुनिक काल में गद्य साहित्य के विविध रूपों का विकास इस बात का साक्षी है कि प्रौढ मन की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य ही में संभव है। निबंध ,नाटक ,उपन्यास ,कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य का विकास तेजी से हुआ है। मनुष्य को उसकी प्रकृति ,परिवेश ,परिस्थिति तथा चिंतन की विकास-प्रक्रिया के साथ प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तक- कहानी-वैभव-डॉ.रवीन्द्र नाथ सिंह
(साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 उसने कहा था-चंद्रघर शर्मा गुलेरी
कफ़न-प्रेमचंद
गुण्डा-प्रसाद

इकाई-2 मिठाईवाला-भगवती प्रसाद वाजपेयी
गौरी-सुभद्राकुमारी चौहान
सदाचार का तावीज़-हरिशंकर परसाई

इकाई-3 मलबे का मालिक-मोहन राकेश
दोपहर का भोजन-अमरकांत

इकाई-4 नपनी-प्रो.दूधनाथ सिंह
शमा-डॉ.रवीन्द्र नाथ सिंह

अंक-विभाजन- ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प में से दो) (7×2=14 अंक)

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प में से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. प्रेमचंद-डॉ.सत्येन्द्र (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. प्रेमचंद-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
3. हिंदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मिश्र(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
4. नई कहानीःसंदर्भ और प्रवृत्ति-संपा.डॉ.देवीशंकर अवस्थी(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
5. एक दुनियाः समानान्तर-संपा.राजेन्द्र यादव(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
6. कथा-साहित्य के सौ बरस-संपा.विभूति नारायण राय (शिल्पायन,शाहदरा, दिल्ली-32)
7. हिंदी कहानीः प्रकिया और पाठ-सुरेन्द्र चौधरी (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी कहानी का इतिहास-डॉ.गोपाल राय(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

****

अथवा

प्रश्नपत्र-4 आधुनिक हिंदी कहानियाँ (मुख्य और गौण) Core Course-04

प्रस्तावना -आधुनिक काल में गद्य साहित्य के विविध रूपों का विकास इस बात का साक्षी है कि प्रौढ मन की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य ही में संभव है। निबंध ,नाटक ,उपन्यास ,कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य का विकास तेजी से हुआ है। मनुष्य को उसकी प्रकृति ,परिवेश ,परिस्थिति तथा चिंतन की विकास-प्रक्रिया के साथ प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तक- **कहानी एकादशी संपा.डॉ.दशरथ ओझा**
(शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1	उसने कहा था-चंद्रघर शर्मा गुलेरी ईद का त्योहार-प्रेमचंद छोटा जादूगर-प्रसाद
इकाई-2	पढ़ाई-जैनेन्द्र कुमार प्रायश्चित-भगवती चरण वर्मा आदमी का बच्चा-यशपाल
इकाई-3	दारोग़ा अमीरचन्द-अज्ञेय दिल्ली में एक मौत-कमलेश्वर
इकाई-4	भोलाराम का जीव-हरिशंकर परसाई वारिस-मोहन राकेश
अंक-विभाजन-	ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक) ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प में से दो) (7×2=14 अंक) सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प में से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. प्रेमचंद-डॉ.सत्येन्द्र (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. प्रेमचंद-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
3. हिंदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
4. नई कहानीःसंदर्भ और प्रवृत्ति-संपा.डॉ.देवीशंकर अवस्थी(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
5. एक दुनियाः समानान्तर-संपा.राजेन्द्र यादव(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
6. कथा-साहित्य के सौ बरस-संपा.विभूति नारायण राय (शिल्पायन,शाहदरा, दिल्ली-32)

7. हिंदी कहानीः प्रकिया और पाठ-सुरेन्द्र चौधरी (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी कहानी का इतिहास-डॉ.गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

*****

HINDI

B.A. DEGREE COURSE

2nd SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -3 आधुनिक हिंदी कविता Core Course-2	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
2	PAPER- 3 आधुनिक हिंदी कविता Core Course-2	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
3	PAPER -4 आधुनिक हिंदी कहानियाँ Elective Course-2	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 =45 Hrs	3 Hrs	03
4	PAPER -4 आधुनिक हिंदी कहानियाँ Elective Course-2	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03

5	PAPER- Multi Disciplinary Course-2	50+20=70	18+7=25	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
6	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~02~~

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of two course in each				Each Day 4th Hour can
Tuesday	Semester.				be used for
Wednes	Three Hours for each course per week				Library work//presentation
Thursday	Total teaching hours per week=06				ect.
Friday					
Saturday	Self Study Course				